भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1708

सोमवार, 13 फरवरी, 2023/24 माघ, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन के विकास हेतु झारखंड को वित्तीय सहायता

†1708. डॉ. निशिकांत दुबे:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का पर्यटन के विकास के लिए झारखंड राज्य को वित्तीय सहायता प्रदान करने का कोई विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विकास के लिए कितनी परियोजनाओं का चयन और उन पर विचार किया जा रहा है;

(घ) प्रत्येक परियोजना के लिए स्वीकृत की जा रही वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) विशेषकर झारखंड के लिए विनिर्दिष्ट परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' योजनाओं के तहत झारखंड सहित देश में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों आदि को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। परियोजनाओं को निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी निधियों के उपयोग के अधीन सम्बन्धित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से स्वीकृति प्रदान की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन और प्रशाद योजना के तहत झारखंड राज्य में निम्नलिखित परियोजनाओं को पहले ही स्वीकृति प्रदान कर दी है:

(राशि करोड़ रु. में)

परियोजना का नाम/वर्ष	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
स्वदेश दर्शन		
दलमा-बेतला नेशनल पार्क-मिर्चैया-नेतरहाट का विकास (ईको परिपथ)/2018-19	30.11	26.37
प्रशाद		
बैद्यनाथजी धाम, देवघर का विकास/2018-19	39.13	31.23

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक और गंतव्य केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में अपनी स्वदेश दर्शन योजना को अब एक नया रूप दिया है। योजना दिशानिर्देशों में राज्यों द्वारा तैयार की गई राज्य परिप्रेक्ष्य योजना (एसपीपी) के आधार पर विकास के लिए गंतव्यों के चयन की परिकल्पना की गई है।

*****